शुभारंभ | संकल्प वाटिका में लगे मेले का उप मुख्यमंत्री ने उद्घाटन किया, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से बनाए गए उत्पाद यहां हैं उपलब्ध

सांझा उत्सव मेला में खुर्जा की क्राकरी तो मिर्जापुर का कारपेट भी

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। गोमती के साफ-सुथरे तट की सैर करते हुए हाथों से बने उत्पाद को यदि आप खरीदना चाहते हैं तो लक्ष्मण मेला मैदान से सटी संकल्प वाटिका में चले आइए। यहां पर डूडा की ओर से आयोजित सांझा उत्सव मेला में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हाथों में बने एक से बढ़ एक बेहरीन उत्पाद मिलेंगे।

इन उत्पादों में आपको खुर्जा की क्राकरी, मिर्जापुर का कारपेट, बरेली की बांस से बनी ट्रे और टोकरा तो मिलेगा ही, हाथों से बने चटपटे अचार और सुगंधित धूप बत्ती भी लेने को मजबूर हो जाएंगे। मेला छह जनवरी तक चलेगा। बता दें कि सांझा उत्सव का उद्घाटन गुरुवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। उन्होंने नगर के लोगों से शॉपिंग माल के बजाए संकल्प वाटिका में आकर खरीदारी का अनुरोध किया। कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की मेहनत तो यहां मौजूद उत्पादों में है ही, उनका स्नेह भी इसमें शामिल है। इसलिए इस मेले में जरूर आइए, इन मेहनती महिलाओं का उत्साह बढ़ाइए। यहां पर बच्चों के लिए झूले भी हैं तो खाने के स्टाल भी।

सांझा उत्सव मेला में कुल 120 स्टाल लगाए गए हैं, जिसमें खान-पान के भी स्टाल हैं। प्रदेश के सभी 75 जिलों के नगरीय अभिकरण सेवा के बैनर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने-अपने जिले के विशेष उत्पादों को यहां लगाया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को सांझा उत्सव मेले का शुभारंभ किया।

120 स्टॉल विभिन्न उत्पादों के लगे हैं इस मेले में

हाथ से बने हैंडबैग

सांझा उत्सव मेला में अलीगढ़, लखनऊ, चंदौली, जौनपुर आदि के स्टालों पर हाथ से बने हैंड बैग आकर्षण का केंद्र बने रहे। छोटे से लेकर बड़े आकार के हैंड बैग हैं, जो आदमी और औरतों दोनों के लिए हैं।

फिरोजाबाद और खुर्जा की क्राकरी

सांझा उत्सव मेला में फिरोजाबाद और खुर्जा की क्राकरी भी है। दोनों के स्टालों पर क्राकरी में कप प्लेट सहित छोटे बर्तनों की संख्या ज्यादा है। खुर्जा के स्टाल पर सजावटी क्राकरी की अधिकता है।

मेले में बांटे टीबी जागरूकता के पर्चे में गलत जानकारी

डूडा की ओर से लगे सांझा उत्सव मेले में स्वास्थ्य विभाग का टीबी जागरूकता से जुड़ा काउंटर लगा है। इस काउंटर पर पंफलेट से राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की लोगों को गलत जानकारी साझा की जा रही है। पंफलेट पर लिखा है कि एक अप्रैल 2018 से इलाज करा रहे मरीजों को नि :क्षय पोषण योजना के तहत इलाज के दौरान 1000 रुपए प्रतिमाह बैंक खाते में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पर1000 की धनराशि 2024 से लागू की गई है। डीटीओ डॉ. एके सिंघल ने बताया कि पुराने पंफलेट रखे थे। वही पर्ची चिपकाकर बांटे जा रहे हैं।